आओ हम सब हिन्दी बोले

हरिदास
संदेशवाहक वरिष्ठ ग्रेड,
भूजल विज्ञान प्रभाग,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की।

अपने घर हम कुछ भी बोलें,
पर बाहर सब हिन्दी बोलें।
कितनी सरल सुगम यह भाषा,
कितनी मधुर और अनुपम भाषा।
बोलें तो मन में रस घोले,
जब सब मिलकर हिन्दी बोलें।

साठ लाख हैं शब्द समाए,
जो भी बोले मन को भाए।
स्वयं पढ़ें औरों को पढ़ाये,
देश का गौरव मान बढ़ायें।

हिन्दी को हम सब अपनायें,
अपने गीत इसी में गाएं।
मिलकर सब संकल्प उठाएं,
देश में हिन्दी दिवस मनाएं।

एकता की यह कड़ी है,
हिन्दी स्वर्ण रजत की लड़ी है।
जन-गण-मन है गान हमारा,
जो हिन्दी में लगता प्यारा।

आओ सारे शपथ उठाएं,
नाम पट हिन्दी में लिखवायें।
इसमें पत्र व्यवहार करेंगे,
मिलकर इसका प्रयास करेंगे।

मेरी प्यारी भाषा हिन्दी,
भारत माता के माथे की बिन्दी।

"जय हिन्द"